हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
जनवरी 2024, बरेली

PAGE NO. 8 : MIDDLE

पितामह रोक सकते थे महाभारत का नरसंहार

रिद्धिमा

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता।
एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नाटक क्यूं पितामह का मंचन हुआ। डॉक्टर प्रभाकर गुप्ता लिखित और विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक महाभारत के अमर पात्र देवव्रत यानी भीष्म पितामह पर केंद्रित रहा। इसमें महाभारत युद्ध की परिस्थितियों के दौरान भीष्म पितामह की भूमिका पर सवाल उठाया गया।

नाटक का आरंभ शांतनु की पत्नी गंगा के अपने सात पुत्रों को ऋषि वशिष्ठ के शाप के कारण नदी में प्रवाहित करने से होता है। इस कहानी में यह दिखाया गया है कि शिव जी से वरदान लेने के कारण अम्बा भीष्म की मृत्यु का कारण बनती है। इसलिए युद्ध में अम्बा का अगला जन्म शिखंडी के रूप में होता है। इन सभी परिस्थितियों के कारण भीष्म पर आरोप लगता है कि अगर वो चाहते तो युद्ध रुक सकता था। द्रोपदी के चीरहरण पर भीष्म का मौन रहना और उनकी प्रतिज्ञा अथवा अनेक ऐसे कारण रहे जिसकी वजह से युद्ध हुआ और इन्हें रोका जा सकता था।

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को क्यूं पितामह नाटक का मंचन हुआ। • हिन्दुस्तान